खबर संक्षेप

कोटरी के बाद अब बदौड़ी में दिनदहाड़े 8 लाख की डकैती

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में खाकी का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। बेखौफ चोरों ने अब पुलिस को सीधी चुनौती देते हुए बदौड़ी गांव में दिनदहाड़े एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। कोटरी गांव में सेवानिवृत्त शिक्षक के घर हुई 75 लाख की सनसनीखेज चोरी का सुराग पुलिस अब तक लगा नहीं पाई थी कि चोरों ने बस्ती के बीचों-बीच स्थित एक सूने मकान को निशाना बनाकर पुलिसिया गश्त के दावों की धज्जियां उड़ा दीं। घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे की है, जब बदौड़ी निवासी तारावती सिंह इलाज के लिए जिला अस्पताल गई थीं। सूने मकान का फायदा उठाकर शातिर चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला चटकाया और भीतर रखी अलमारी व पेटियों को खंगाल डाला। पीड़िता के मुताबिक, चोर घर से दो तोला सोना, दो किलो चांदी के आभूषण और 15 नग महंगे बर्तन समेट ले गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 8 लाख रुपये है। शुक्रवार रात ही थाने में शिकायत दर्ज होने के बावजूद शनिवार सुबह तक जैतपुर पुलिस घटनास्थल पर मुआयना करने तक नहीं पहुंची। इस घोर संवेदनहीनता से ग्रामीणों का आक्रोश सातवें आसमान पर है। लगातार हो रही वारदातों और पुलिस की इस सुस्ती से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

जन भागीदारी अभियान के तहत पीपल टोला में हुई जनसुनवाई

शहडोल। पीएम जन मन एवं धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित ग्राम पंचायतों में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जन भागीदारी अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य अति विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों को केंद्र एवं राज्य शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना है। इसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंगरी के पीपल टोला में जनभागीदारी अभियान के तहत जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान 11 जाति प्रमाण पत्र, 2 आधार कार्ड तथा 2 आयुष्मान कार्ड आदि सेवा केंद्र में संधारित कर पंजीकृत किए गए। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डी.सी. मिश्रा, आदि सेवा केंद्र प्रभारी वीरेंद्र बैगा, सरपंच श्रीमती सरूपिया बैगा, भूतपूर्व सरपंच बब्बू बैगा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण हेतु जिलेभर में होंगे विशेष कार्यक्रम

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा गंगा दशहरा के अवसर पर 25 मई 2026 को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के पूजन कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह आयोजन मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जाएगा। जारी निर्देशानुसार ग्राम पंचायत स्तर पर जल स्रोतों जैसे तालाब, कुएं, बावड़ी, नदी, हैंडपंप एवं अन्य पेयजल स्रोतों का पूजन, साफ-सफाई एवं संरक्षण संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता भी रहेगी।कलेक्टर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पंचायत स्तर पर व्यापक जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण के कार्य कराए जाएं तथा कार्यक्रम के आयोजन उपरांत प्रतिवेदन निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत किया जाए।

जंगलों का तानाशाह आखिरकार हुआ ढेर

बांधवगढ़ और शहडोल वन अमले का सबसे बड़ा ऑपरेशन एलिफेंट सफल

शहडोल। शहडोल और अनूपपुर जिले के जंगलों सहित ग्रामीण इलाकों में पिछले कई दिनों से मौत का तांडव मचा रहे बिगड़ैल जंगली नर हाथी ई-5 के आतंक का आखिरकार अंत हो गया। कई परिवारों की खुशियां उजाड़ने और ग्रामीणों की नींद हराम करने वाले इस हाथी को वन विभाग की संयुक्त टास्क फोर्स ने शनिवार 23 मई को कड़ी मशक्कत और जानलेवा घेराबंदी के बाद सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर काबू में कर लिया। खूंखार हाथी के जंजीरों में जकड़े जाते ही पूरे केशवाही वन परिक्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और पिछले कई दिनों से पसरा सन्नाटा अब उत्सव में बदल गया है। यह वही सनकी हाथी है, जिसने अनूपपुर से तबाही मचाते हुए शहडोल की सीमा में प्रवेश किया था।

मौत बांट रहे ई-5 हाथी को बेलिया के चक्रव्यूह में दबोचा

बीते 13 मई को केशवाही रेंज के गिरवा कुदरा टोला में इस आक्रामक वन्यजीव ने बेरहमी से किसान छोटेलाल सिंह और उनकी बेजुबान गाय को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद से ही प्रशासन और वन विभाग के लिए यह हाथी नाक का बाल बन चुका था।

बांधवगढ़ से बुलाए कुमेदान

इस विशालकाय और आक्रामक दुश्मन को धूल चटाने के लिए वन विभाग ने पूरी ताकत झोंक दी थी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जबलपुर और मुकुंदपुर से देश के सबसे बड़े वन्यजीव विशेषज्ञों और डॉक्टरों की फौज बुलाई गई। पांच विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की सीधी निगरानी में बांधवगढ़ के महावत और उनके प्रशिक्षित लड़ाकू हाथियों (कुमेदानों) ने कमान संभाली। अभियान को अंजाम देने के लिए ग्राम बेलिया में प्रशिक्षित हाथियों का एक ट्रांजिट कैम्प स्थापित किया गया था। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन की मदद से पूरे इलाके को पूरी तरह से छावनी में तब्दील (कॉर्डन ऑफ) कर दिया गया था। यही नहीं, ग्राम बेलिया के शासकीय विद्यालय को हाईटेक मॉनिटरिंग स्टेशन और दक्षिण वनमंडल शहडोल में मुख्य कंट्रोल रूम बनाकर पल-पल की रणनीतियां तैयार की गईं।

ड्रोन, जेसीबी और क्रेन से घेराबंदी

घने जंगलों, पथरीली पहाड़ियों और हाथी के जानलेवा आक्रामक तेवरों के कारण यह रेस्क्यू ऑपरेशन किसी युद्ध से कम नहीं था। दो दिनों तक चले इस अंतिम निर्णायक चक्रव्यूह में वन विभाग ने आधुनिक और भारी-भरकम मशीनों की फौज उतार दी। इस ऑपरेशन में थर्मल और इंफ्रारेड ड्रोन कैमरे जो घने पत्तों के पीछे छिपे हाथी की गर्मी से उसकी लोकेशन बताते थे। कई भारी जेसीबी मशीनें और क्रेन, विशालकाय ट्रक, पानी के टैंकर और दमकल की गाडिय़ां (फायर टेंडर), ट्रैक्टर और खोजी दल मौजूद रहे। इन सभी का एक साथ इस्तेमाल कर हाथी को चारों तरफ से घेरा गया। किसी भी अनहोनी या आपातकालीन चिकित्सकीय जरूरत से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की डॉ. चित्रलेखा सिंह अपनी पूरी एम्बुलेंस टीम के साथ मौके पर डटी रहीं। आखिरकार शनिवार को पांच डॉक्टरों की टीम ने सटीक निशाना साधकर हाथी को अचूक ट्रैंकुलाइजर गन से बेहोश किया और जंजीरों से जकडक़र उसे पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया।

अधिकारियों ने खेला जान पर खेल

इस महाअभियान की सफलता के पीछे वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों का कुशल मार्गदर्शन और मैदानी अमले का अदम्य साहस रहा। यह पूरा ऑपरेशन एलिफेंट बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय और वन संरक्षक महेंद्र प्रताप सिंह के सीधे वीक्षण में संपन्न हुआ। मैदान पर इस जटिल ऑपरेशन का नेतृत्व दक्षिण शहडोल की वनमंडलाधिकारी तरुणा वर्मा और अनूपपुर के वनमंडलाधिकारी डेविड चनाप के कुशल निर्देशन में उपवनमंडलाधिकारी जैतपुर विनोद जाखड़ ने किया। वहीं, केशवाही परिक्षेत्र अधिकारी अंकुर तिवारी और उनकी टीम ने बीटीआर (बांधवगढ़) की रेस्क्यू टीम के साथ मिलकर जमीन पर इस हाथी को खदेडऩे और

फंसाने में अपनी जान की बाजी लगा दी।

अनूपपुर से लेकर शहडोल तक का अमला रहा तैनात

इस ऐतिहासिक रेस्क्यू को सफल बनाने में उपवनमंडलाधिकारी अनूपपुर प्रीतेश पखाले, सोहागपुर संतोष शुक्ला, सहायक संचालक बीटीआर दिलीप मराठा सहित वन्यप्राणी विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. राजेश तोमर, डॉ. अभय सेंगर, डॉ. अमोल रोखड़े एवं डॉ. नितिन गुप्ता की मुख्य भूमिका रही। साथ ही मैदानी स्तर पर मोर्चे पर डटे रहने वाले अधिकारियों में गोहपारू वन परिक्षेत्राधिकारी हेमन्त प्रजापति, खन्नौधी के भाग्यशाली सिंह, जैतपुर के ब्रजलाल प्रजापति, बुढ़ार के सलीम खान, जयसिंहनगर के दिनेश पटेल, अनूपपुर के स्वर्णगौरव सिंह, जैतहरी के विवेक मिश्रा और प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल अमित सिंह चंदेल व प्रज्ञा गुप्ता शामिल रहे। इसके अलावा उप वनक्षेत्रपाल बृजभान सिंह, कार्यवाहक वनपाल बेदन सिंह व वीरभान सिंह, तथा वनरक्षक बृजेश तिवारी, धीरेंद्र गौतम, अभिनय गौतम और राहुल शर्मा सहित पूरे वन अमले ने अपनी जान जोखिम में डालकर इस मिशन को फतह किया। वन विभाग के अनुसार, रेस्क्यू किए गए हाथी ई-5 को पूरी सुरक्षा और चिकित्सकीय देखरेख में वापस बांधवगढ़ के घने और प्राकृतिक रहवास वाले जंगलों के लिए रवाना कर दिया गया है। वहां सैटेलाइट और विशेष टीमों के माध्यम से उसके व्यवहार पर लगातार नजर रखी जाएगी। बहरहाल, शहडोल के जंगलों में अब शांति है और ग्रामीण वन विभाग की इस बहादुरी को सलाम कर रहे हैं।

शहडोल के युवाओं का शंखनाद

विश्वविद्यालय में गूंजा 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता ही है भारत का भविष्य'

शहडोल। स्थानीय पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में आज तकनीकी क्रांति का एक नया अध्याय लिखा गया। विश्वविद्यालय के 'चैतन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता संघ' के तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भारत का भविष्य विषय पर एक बेहद आक्रामक, धारदार और आंखें खोलने वाला विशेष संवाद आयोजित किया गया। इस महामंथन में जुटे देश के दिग्गजों ने साफ कर दिया कि आने वाला समय केवल और केवल तकनीकी महारथियों का ही होगा। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के भव्य स्वागत से हुई, जहां कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने मुख्य वक्ताओं का परिचय कराया। कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ अशोक कुमार शर्मा (प्रयागराज) और वरिष्ठ कवि अनिल श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दिग्गजों ने दिया करारा जवाब

संवाद के दौरान सबसे तीखा और बड़ा विमर्श इस बात पर हुआ कि क्या भारत वास्तव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक होड़ में पिछड़ रहा है? इस पर इलाहाबाद से आए प्रौद्योगिकीविद् अशोक कुमार शर्मा ने दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारत इस समय तकनीकी नवाचार का सबसे बड़ा केंद्र बन रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े भाषाई मॉडल, सॉफ्टवेयर विकास जीवन चक्र और चल-दूरभाष (मोबाइल) उपकरणों में इस तकनीक के व्यावहारिक उपयोग के गुर सिखाए। श्री शर्मा ने छात्रों को सिखाया कि कैसे रोज के समाचार पत्रों को पढक़र नए शोध और परियोजनाओं के विचार (प्रोजेक्ट आइडिया) विकसित किए जा सकते हैं, जो साक्षात्कार (इंटरव्यू) की तैयारी में मील का पत्थर साबित होंगे।

तकनीक के साथ मानवीय संवेदनाओं का संतुलन जरूरी

वहीं दूसरी ओर, सेवा-निवृत्त वन अधिकारी और प्रख्यात कवि अनिल श्रीवास्तव ने युवाओं को चेताया कि तकनीक का विकास मानवीय संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों को मारकर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए हो, उसका गुलाम बनने के लिए नहीं। कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है जब हमारे युवा केवल नौकरियों के पीछे न भागें, बल्कि डिजिटल प्रभावक (इन्फ्लुएंसर), सामग्री निर्माता (कंटेंट क्रिएटर) और तकनीकी उद्यमी बनकर 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार करें। इस वैचारिक महाकुंभ में प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय, कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष तराम सहित भारी संख्या में प्राध्यापक और छात्र उपस्थित रहे, जिन्होंने भविष्य में भी ऐसे धारदार संवाद आयोजित करने का संकल्प लिया।

राजस्व शिविर लगाकर प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण: कलेक्टर

तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार नियमित रूप से न्यायालय में बैठकर करें प्रकरणों का निराकरण डीजल बचत के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व शिविर आयोजित कर राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों में राजस्व संबंधी शिकायतें एवं प्रकरण अधिक हैं, वहां संबंधित अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर समस्याओं का समाधान करें। यह निर्देश उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को नियमित रूप से न्यायालय में बैठकर प्रकरणों का गुण-दोष के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह दर्ज होने वाले नए प्रकरणों से अधिक मामलों का निराकरण किया जाए, ताकि पुराने लंबित प्रकरणों का बैकलॉग कम हो सके।

बैठक में 2 से 5 वर्ष तक लंबित राजस्व प्रकरणों की न्यायालयवार समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से संबंधित प्रकरणों का 15 दिवस के भीतर निराकरण करने तथा आरबीसी 6-4 के मामलों में प्रभावित परिवारों को 7 दिवस के भीतर राहत राशि स्वीकृत करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन प्रकरणों के निराकरण के लिए शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक तहसील में प्रतिदिन कम से कम 500 फार्मर रजिस्ट्री की जाए तथा बड़ी तहसीलों में इससे अधिक कार्य सुनिश्चित किया जाए।

भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान संबंधित एसडीएम को मुआवजा वितरण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों की जवाबदेही तय करने को कहा गया। रिकॉर्ड सुधार संबंधी प्रकरणों का निराकरण भी 15 दिवस के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रथम चरण का कार्य 25 मई तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित चार्ज अधिकारियों को दिए गए। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति, विभागीय जांच एवं न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

सामान्यतः राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक प्रत्यक्ष रूप से आयोजित की जाती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ईंधन बचत के दिए गए निर्देशों के पालन में यह समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर अन्तोनिआ एक्का एवं अर्चना मिश्रा उपस्थित रहीं।

डिप्टी सीएम के गृह जिले में भगवान भरोसे सांसें

ब्यौहारी में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही ने ली 7 माह की मासूम की जान
खुद को बचाने डॉक्टरों ने परिजनों पर ही दर्ज करा दी प्राथमिकी

शहडोल। स्वास्थ्य मंत्री और उप मुख्यमंत्री के प्रभार वाले शहडोल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुकी है। यहां सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं, बल्कि मौत का सामान मिल रहा है। ब्यौहारी सिविल अस्पताल में चिकित्सा विभाग की लापरवाही और समय पर सही इलाज न मिलने के कारण ग्राम पथरेही निवासी मनोज सिंह की 7 माह की मासूम बच्ची दिव्या सिंह ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद जब बदहवास और आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया, तो हमेशा की तरह अपनी नाकामी छुपाने के लिए प्रशासन और डॉक्टरों का अमला एकजुट हो गया। मासूम को खो चुके पीड़ित पिता मनोज और मुन्ना सिंह के खिलाफ ही शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करा दिया गया।

कागजी औपचारिकता में जुटे रहे जिम्मेदार

जानकारी के मुताबिक, मासूम दिव्या को तेज बुखार होने पर परिजन आस लगाए ब्यौहारी सिविल अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखिए कि डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को भांपने के बाद भी तत्काल जीवन रक्षक उपचार देने के बजाय उसे सीधे 'हायर सेंटर' रेफर करने का कागजी फरमान सुना दिया। इसी टालमटोल और उपचार में हुई देरी के कारण मासूम ने अस्पताल परिसर में ही दम तोड़ दिया।

नाकामी छुपाने का पुराना खेल

बच्ची की मौत होते ही अस्पताल प्रबंधन में हडक़ंप मच गया। अपनी गर्दन बचाने के लिए ड्यूटी डॉक्टर विकास गुप्ता की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत पीड़ित परिजनों पर ही मुकदमा ठोक दिया, ताकि मुख्य मुद्दे यानी इलाज में लापरवाही से जनता का ध्यान भटकाया जा सके। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में मर्ग भी कायम किया है।

कुशाभाऊ ठाकरे अस्पताल से लेकर ब्यौहारी तक

जिले की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ समय पहले जिला मुख्यालय स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अस्पताल में चिकित्सा विभाग की ऐसी ही जानलेवा लापरवाही सामने आई थी, जहां कथित तौर पर टेबल टूटने से एक नवजात की मौत हो गई थी। उस समय भी प्रशासन ने जनता के गुस्से को शांत करने के लिए जांच टीम गठित करने का ढोंग रचा था, लेकिन आज तक वह जांच ठंडे बस्ते में धूल खा रही है। किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या डॉक्टर पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रसूखदारों के आगे नतमस्तक प्रशासन

सवाल यह उठता है कि जब आम आदमी अपनों को खोने के बाद न्याय की मांग करता है, तो स्वास्थ्य विभाग पूरी ताकत से उस पर मुकदमा दर्ज कराने पहुंच जाता है, लेकिन जब इन्हीं सफेदपोश डॉक्टरों की लापरवाही से मासूमों की जान जाती है, तब स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को सांप क्यों सूंघ जाता है, उप मुख्यमंत्री के गृह जिले में स्वास्थ्य माफिया और लापरवाह तंत्र इस कदर हावी है कि आम जनता को पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। ब्यौहारी की इस घटना ने साबित कर दिया है कि जिले में गरीबों की जान की कोई कीमत नहीं रह गई है।

इनका कहना है...

बच्ची की मौत के बाद अस्पताल में डॉक्टर के साथ मारपीट की घटना हुई है। दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करते हुए जांच की जा रही है।

जिया उल हक
थाना प्रभारी, ब्यौहारी

खबर संक्षेप

गंगा दशहरा पर सगरा तालाब में होगा श्रमदान एवं साफ-सफाई कार्यक्रम

उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण एवं जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर 25 मई 2026 को स्थानीय सगरा तालाब, वार्ड क्रमांक 24 उमरिया में प्रातः 9 बजे तालाब की साफ-सफाई एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समस्त जिलाधिकारियों से कहा है कि वे 25 मई 2026 को प्रातः 9 बजे सगरा तालाब, उमरिया में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

तेज गर्मी एवं हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु सावधानी बरतने की अपील

उमरिया। जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान एवं बदलते मौसम को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल ने आमजन से हीट स्ट्रोक एवं गर्मी जनित बीमारियों से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता अपनाकर गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। डॉ. चंदेल ने बताया कि अनावश्यक रूप से तेज धूप में बाहर निकलने से बचना चाहिए तथा विशेष रूप से प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में जाने से परहेज करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अधिक मात्रा में पानी पीने एवं तरल पदार्थ युक्त भोजन का सेवन करने की सलाह दी। साथ ही धूप में निकलते समय छाता, टोपी तथा ढीले एवं सूती कपड़ों का उपयोग करने को कहा। उन्होंने बताया कि नींबू पानी, छाछ एवं ओआरएस का सेवन शरीर को हाइड्रेट रखने में लाभकारी है। बच्चों एवं बुजुर्गों को तेज धूप में जाने से रोकने तथा उन्हें पर्याप्त पानी एवं ठंडे वातावरण में रखने की सलाह भी दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, मुंह सूखना, बार-बार प्यास लगना, बेहोशी अथवा भ्रम जैसी स्थिति हीट स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्राप्त करना चाहिए। डॉ. चंदेल ने गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं की विशेष देखभाल पर जोर देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाएं पौष्टिक एवं तरल पदार्थों का सेवन करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं तथा हवादार कमरों में रहें। आवश्यकता पडऩे पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा ग्राम स्तर पर आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर परामर्श लिया जा सकता है।

रोजगार सहायकों को फ़ील्ड टेस्ट किट उपयोग करने का दिया गया प्रशिक्षण

जैतहरी। विकासखंड जैतहरी अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में संचालित नल जल योजनाओं के दैनिक चालू/बंद स्थिति को अद्यतन करने हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 22 मई को ग्राम के रोजगार सहायकों को विभाग द्वारा विकसित जल दर्पण ऐप एवं जल परीक्षण हेतु फ़ील्ड टेस्ट किट उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया गया।

चंसुरा पंचायत में भ्रष्टाचार का त्रिमूर्ति खेल

पंचायत में कागजों पर दौड़ी मुरूम और रेत

बिना रॉयल्टी चोरी के माल पर भी डकार गए जीएसटी

चोरी का माल खरीदने-बेचने पर कब दर्ज होगी एफआईआर

मानपुर।

जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चंसुरा इन दिनों विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार की गंगोत्री बन चुकी है। शासन की राशि को अपनी बपौती समझकर चूना लगाने वाली यहां की त्रिमूर्ति सरपंच पति, सचिव और इंजीनियर ने बिलों का ऐसा मायाजाल बुना है कि सुनने वालों के होश उड़ जाएं। हायर सेकेंडरी स्कूल से आदिवासी मोहल्ले तक बनी सीसी रोड के निर्माण में भ्रष्टाचार की ऐसी कंक्रीट बिछाई गई है, जिसमें नियम-कायदे पूरी तरह दफन हो चुके हैं। मामले में नया और चौंकाने वाला मोड़ तब आया, जब यह साफ हुआ कि पंचायत ने बिना रॉयल्टी के चोरी की रेत और अवैध मुरूम का इस्तेमाल कर लाखों रुपये का आहरण कर लिया। मजे की बात तो यह है कि इस चोरी के माल पर बाकायदा 5 प्रतिशत जीएसटी भी वसूल कर लिया गया!

बालाजी ट्रेडर्स का फर्जीवाड़ा

ग्राम पंचायत चंसुरा में बालाजी ट्रेडर्स के संचालक सोहनलाल गुप्ता और पंचायत की सांठ-गांठ का एक बड़ा खेल उजागर हुआ है। इस फर्म के नाम पर बिना रॉयल्टी के 19 ट्रॉली रेत का 95 हजार रुपये और 50 ट्रॉली मुरूम का 25 हजार रुपये का फर्जी बिल लगाकर भुगतान करा लिया गया। जब इस संबंध में फर्म संचालक सोहनलाल गुप्ता से सवाल किए गए, तो उन्होंने पहले तो महाकाल मिनरल्स (मझौली खदान) का नाम लेकर पल्ला झाडऩा चाहा, लेकिन जब रेत की रॉयल्टी मांगी गई तो वे बगले झांकने लगे। हद तो तब हो गई जब मुरूम के बिल पर उन्होंने खुद ही कबूल कर लिया कि हमने मुरूम नहीं, मिट्टी का उपयोग किया है।

बंद पड़े टैंकर का भी वसूला किराया

भ्रष्टाचार की यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। चंसुरा पंचायत के कारनामों की फेहरिस्त में मां दुर्गा ट्रेडर्स व इलेक्ट्रॉनिक्स बस स्टैंड, पडख़ुरी का नाम भी जुड़ गया है। इस फर्म के नाम पर सटरिंग का 12 हजार, मिक्सर मशीन का 36 हजार और पानी टैंकर का 12 हजार रुपये कुल 60 हजार रुपये के काम पर जीएसटी सहित 63 हजार रुपये का बिल लगाया गया है। इस संबंध में जब पंचायत सचिव राजभान मिश्रा से बात की गई, तो उन्होंने कैमरे के सामने तो नहीं, लेकिन बातचीत में यह सच कबूल कर लिया कि पंचायत का खुद का सरकारी टैंकर पिछले 3 साल से कबाड़ और ध्वस्त पड़ा हुआ है, लेकिन, मलाई खाने के चक्कर में सरपंच पति माधव कोल ने कहीं से जुगाड़ का टैंकर खड़ा किया और मां दुर्गा ट्रेडर्स के बिल के जरिए शासन की राशि का आहरण कर लिया।

रॉयल्टी के नाम पर सरपंच पति के बदले बोल

जब पूरे मामले के मुख्य सूत्रधार और सरपंच पति माधव कोल से रेत की रॉयल्टी के बारे में सीधा सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कह दिया कि उनके पास कोई रॉयल्टी नहीं है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का सीधा सुबूत है कि निर्माण कार्य में धड़ल्ले से अवैध उत्खनन की चोरी की रेत खपाई गई है। जब मुरूम के बारे में पूछा गया तो वे मुकर गए कि हम मुरूम डलवाते ही नहीं। एक तरफ फर्म संचालक बिल लगाने की बात स्वीकार कर रहा है, दूसरी तरफ सचिव राजभान मिश्रा ने भी फाइलों में लगे सभी बिलों की सत्यता को स्वीकार कर लिया है, लेकिन धरातल पर सच इसके ठीक उलट है। यह सीधा-सीधा शासकीय राशि का गबन और पद का दुरुपयोग है।

दर्ज होना चाहिए आपराधिक प्रकरण

जब उमरिया, कटनी, शहडोल और अनूपपुर जैसे जिलों में मुरूम की कोई सरकारी खदान स्वीकृत ही नहीं है, तो फिर बालाजी ट्रेडर्स के पास मुरूम कहां से आई, साफ है कि या तो मुरूम चोरी की है या फिर मिट्टी डालकर मुरूम के नाम पर सरकारी खजाने में डकैती डाली गई है। चोरी का सामान खरीदना और बेचना, दोनों ही कानूनन संगीन अपराध हैं। ऐसे में फर्म संचालक और सरपंच-सचिव के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण क्यों दर्ज नहीं होना चाहिए?

कलेक्टर-सीईओ से कार्यवाही की दरकार

चंसुरा पंचायत में भ्रष्टाचार की इस त्रिमूर्ति ने जिस तरह से नियमों को ठेंगे पर रखकर फर्जी बिलों के सहारे शासन के रुपयों की होली खेली है, उससे स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से क्षेत्र की जनता को उम्मीदें हैं। जागरूक लोगों का कहना है कि चोरी का माल खरीदने-बेचने और फर्जी बिलों के सहारे जीएसटी वसूलने वाले इस सिंडिकेट सरपंच, सचिव और फर्म संचालक पर एफआईआर दर्ज कर जेल का रास्ता दिखाया जाये।

इनका कहना है...

मामले की जानकारी नहीं है, बात करके बताते हैं।

अनिल तिवारी
उपयंत्री जनपद पंचायत मानपुर

जनजातीय ग्रामों में संतृप्ति शिविरों का किया जा रहा आयोजन

उमरिया।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली तथा संचालनालय जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं, भोपाल के निर्देशानुसार पीएम जनमन एवं डीए-जेजीयूए अंतर्गत शामिल ग्रामों में विशेष लाभार्थी संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का उद्देश्य विशेष रूप से पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) समुदायों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोडऩा तथा उनके बीच जागरूकता बढ़ाना है। सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के तहत 25 मई 2026 तक राष्ट्रव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में उमरिया जिले के करकेली, मानपुर एवं पाली विकासखंड के ग्राम चरगवां, तामान्नारा, धमोखर, गांगीताल, अमरपुर, बचहा, ठूठाकुदरी, सेहरा, सिंहपुर, अटरिया, नौगवां, गाटा में शिविरों का आयोजन करते हुए शासन व्दारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविरों में जनजातीय समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन, आधार, पेंशन, आवास, आयुष्मान कार्ड एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडऩे के प्रयास किए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकतम हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

सिकल सेल उन्मूलन शिविर में हुई 250 लोगों की जांच

उमरिया।

राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को रणविजय प्रताप सिंह स्नातकोत्तर कॉलेज में सिकल सेल उन्मूलन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न गांवों से पहुंचे सिकल सेल रोग से पीड़ित मरीजों, वाहकों एवं उनके परिजनों की जांच कर उपचार उपलब्ध कराया गया।

शिविर का आयोजन सिकल सेल टास्क फोर्स इंडिया की चेयरपर्सन डॉ. दीप्ति जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वी.एस. चंदेल, जिला सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, विकास शुक्ला, डॉ. ऋषि सागर तथा पराग सागर के मार्गदर्शन में पराग सागर फाउंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान 250 महिला एवं पुरुषों की सिकल सेल एनीमिया संबंधी स्क्रीनिंग की गई। जांच के बाद मरीजों को आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में जागरूक किया।

जिला सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी ने उपस्थित लोगों को सिकल सेल उन्मूलन से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए जिले में चलाए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं डॉ. दीप्ति जैन ने सिकल सेल रोग के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी साझा की और मरीजों की स्वास्थ्य जांच भी की।

कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक दर्शन पंद्राम, जिला कार्यक्रम समन्वयक एनटीपीसी शारदा प्रसाद गुप्ता सहित जिले के सीएचसी एवं पीएचसी के स्वास्थ्यकर्मी, एएनएम और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कड़ाके की धूप पड़ने के कारण लोगों को होने लगा तेज गर्मी का एहसास

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

वर्तमान में कड़ाके की धूप पडने के कारण तेज गर्मी का एहसास लोगों को होने लगा है। तापमान में उछाल-मारनी शुरू कर दी है। वर्तमान में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग की माने तो हवाओं में नमी खत्म हो जाने से मौसम में परिवर्तन हो चला है। जो तापमान को बढ़ाने का मौका दे रहा है। दिन में धूप के थपेड़े बदन पर मार कर रहे हैं। सुबह आठ बजे से गर्म हवा चलनी शुरू हो जाती है। सडके दोपहर में वीरान नजर आ रही है। लोग पसीना बहाते गमछा लपेट कर शीतल पेय के सहारे किसी तरह अपना काम निपटा रहे हैं। लोगों को छांव की तलाश और शीतल हवाओं की दरकार महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार हवा में नमी घटना और मौसम शुष्क होने से तापमान को मनमानी करने का मौका मिल गया है। कोई अप्रत्याशी स्वभाव मौसम का नहीं बदला तो अब गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर दी है। रात में लोगों को भारी गर्मी का एहसास होने लगता है। वर्तमान में रात्रि में पंखा एवं कलर भी काम नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने के कारण लोगों को गर्मी की मार झेलनी पड़ रही है। वर्तमान में एसी कूलर भी काम नहीं कर रहे हैं। गर्मी का हाल यह है कि सुबह 7 बजे से ही कड़ी धूप लगनी शुरू हो जाती है जिसके कारण लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दिन के बारह बजते बजते तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाती है। शनिवार को पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया है। लोग घरों से निकालने के पहले अपने चेहरे एवं शरीर को ढक कर निकल रहे हैं। लू के थपेढो से लोगों का हाल बुरा है। मौसम के बदलाव से अस्पतालो मे मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है।

डॉक्टर दे रहे सलाह- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में पदस्थ आयूष चिकित्सा अधिकारी डॉ संगीता प्रजापति का कहना है कि वर्तमान में मौसम में प्रतिदिन बदलाव हो रहा है। आयुर्वेद शास्त्रों के अनुसार ग्रीष्म ऋतु में सूरज की धूप तीखे होने से शरीर की स्निर्धनता कम हो जाती है इसलिए वातकफ दोष की वृद्धि एवं वात दोष की अधिकता से शरीर रूक्ष हो जाता है। उष्णता बढ़ने से गर्मी का एहसास अधिक होता है। इस मौसम में खूब पानी पिये लघु आहार का सेवन करें। सीधे धूप में जाने से बचे। हल्के सूती वस्त्रो को धारण करें। एनर्जी ड्रिंक ले। हल्का व्यायाम करें। एवं फलों का भरपूर सेवन करें। इस तरह हम गर्मी के मौसम में स्वस्थ रह सकते हैं।

जलीय फलों की हो रही बिक्री- गर्मी का मौसम शुरू होते ही वर्तमान में बाजार में जलीय फल खीरा, ककड़ी, तरबूज, कलिंदर की बिक्री जमकर हो रही है। इन फलों का सेवन करने से शरीर में कई प्रकार की विटामिन भी मिल रही है साथ ही शरीर में पानी की कमी भी नहीं होने पाती। इस भीषण गर्मी में कड़कड़ाती धूप में इन फलों की बिक्री जमकर हो रही है।

वॉश ऑन व्हील योजना अंतर्गत स्वच्छता साथियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

उमरिया।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत संचालित वॉश ऑन व्हील योजना के तहत संलग्न स्वच्छता साथियों को पानी की टंकी, वाल्व, नल-टोटी एवं त्वरित सुधार कार्यों के संबंध में जनपद पंचायत स्तरीय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता साथियों को पानी की टंकी, वाल्व एवं नल-टोटी संबंधी खराबियों की पहचान एवं उनके सुधार की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों द्वारा व्यवहारिक प्रदर्शन के माध्यम से

वाल्व संचालन, लीकेज सुधार, नल-टोटी बदलने तथा जल आपूर्ति व्यवस्था के रखरखाव की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता साथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं तथा ग्राम स्तर पर बेहतर एवं त्वरित सेवाएं प्रदान करने का संकल्प लिया।

फॉरेक्स ट्रेडिंग स्कैम: पैसा दोगुना करने का लालच देकर पूरे देश को ठगने वाला मास्टरमाइंड अनूपपुर जेल में

गिरफ्तारी से पहले का झूठा ऑडियो आया सामने

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

मध्य प्रदेश सहित पूरे भारतवर्ष में फॉरेक्स मार्केट के जरिए रातों-रात पैसा दोगुना करने का झांसा देकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने वाला मास्टरमाइंड उमेश कांति लाल पटेल आखिरकार कानून के शिकंजे में है। गुजरात के अहमदाबाद का रहने वाला यह महाठग वर्तमान में अनूपपुर जेल की सलाखों के पीछे है। हजारों निवेशकों की गाढ़ी कमाई डकारने वाले इस आरोपी ने जब देखा कि उसका भंडाफोड़ होने वाला है, तो उसने निवेशकों को गुमराह करने और समय काटने के लिए एक ऑडियो जारी किया था। निवेशकों का पैसा पूरी तरह डूबने से पहले का यह ऑडियो अब इस बड़े घोटाले में आरोपी की चालाकी का अहम सबूत बन गया है।

ऑडियो में रची थी सिक्योरिटी और फंडिंग की झूठी कहानी

ठगी का शिकार हुए निवेशकों का गुस्सा शांत करने और पुलिस शिकायतों से बचने के लिए आरोपी उमेश पटेल ने एक ऑडियो संदेश जारी कर झूठे वादों की झड़ी लगा दी थी। सामने आए इस ऑडियो ट्रांसक्रिप्ट में आरोपी बड़ी ही चालाकी से कहता सुना जा सकता है कि, काम हमारा बिल्कुल पक्का हो गया है... उनके पास फंड की कोई कमी नहीं है, फंड रेडी है। अपनी बातों में उलझाने के लिए उसने एक तीसरे ग्रुप की मनगढ़ंत कहानी रची, जो कथित तौर पर सिक्योरिटी (गारंटी) देने वाला था। उसने निवेशकों को यह कहकर बेवकूफ बनाया कि उसके पास अपनी कोई एसेट्स (संपत्ति) नहीं है, इसलिए एक अन्य ग्रुप कागजी कार्रवाई कर रहा है।

समय काटने के लिए मांगा था 10 नवंबर तक का वक्त

आरोपी ने अपने ऑडियो संदेश में कागजी कार्रवाई (पेपर वर्क) और डॉक्यूमेंटेशन का बहाना बनाकर निवेशकों से 10 नवंबर तक धैर्य रखने की मार्मिक अपील की थी। उसने ऑडियो में दावा किया था 10 तारीख तक पॉसिबिलिटी 100 प्रतिशत है कि हमारी तरफ से एक छोटी सी शुरुआत हो जाए... और उसके बाद एक बड़ा फंड भी ये लगा देंगे। दरअसल, यह निवेशकों को कानूनी कार्रवाई से दूर रखने की एक सोची-समझी चाल थी। वह बार-बार प्रोसीजर और लिक्विडिटी जैसे भारी-भरकम शब्दों का इस्तेमाल करके निवेशकों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा था कि उनका पैसा सुरक्षित है।

वादे निकले खोखले, आखिरकार पहुंचा जेल

उमेश पटेल के 10 नवंबर के वादे के बाद किसी भी निवेशक को एक फूटी कौड़ी वापस नहीं मिली और पूरा सिस्टम क्रैश कर दिया गया। लेकिन निवेशकों का पैसा लेकर फरार होने की उसकी योजना धरी की धरी रह गई। प्रशासन और पुलिस की सख्ती के बाद इस गुजराती ठग को अनूपपुर जिले के पत्रकार संतोष चौरसिया की रिपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया है और अब वह अनूपपुर जेल में बंद है। यह पूरा मामला इस बात का कड़ा सबक है कि शेयर बाजार या फॉरेक्स ट्रेडिंग में बिना किसी ठोस आधार के पैसा दोगुना करने वाली स्कीमें अक्सर एक सुनियोजित स्कैम होती हैं।

एक वर्ष बीतने के बाद भी सड़क के निर्माण कार्य को ठेकेदार के द्वारा नहीं किया गया पूरा

कोतमा। नगर में जर्जर सड़कों की मरम्मत का कार्य कराये जाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष एवं सीएमओ के द्वारा मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत नगर में जर्जर सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू करवाया गया था लेकिन ठेकेदार के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष की मंशा पर पानी फेरने का कार्य किया गया। जबकि डामरीकृत सड़क का निर्माण कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण कर दिया जाना चाहिए लेकिन ठेकेदार अपनी मनमानी पर उतारू होते हुए नगर के पुरानी बस्ती अग्रवाल पेट्रोल पंप के सामने से जखीरा चौक तक जाने वाली सड़क में डामरी करण युक्त सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो गुणवत्ता विहीन थी लेकिन एक बर्ष बीतने के बाद भी सड़क के निर्माण कार्य को ठेकेदार के द्वारा पूरा नहीं किया गया जिसके कारण वार्ड वासियों में गुस्सा देखा जा रहा है। **दस लाख की सड़क-** नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, सीएमओ प्रदीप झारिया के द्वारा पार्षद की मांग पर जर्जर सड़क के मरम्मत किए जाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत लगभग 10 लाख रुपए की लागत से पुरानी बस्ती अग्रवाल पेट्रोल पंप के सामने से जकीरा चौक तक डामरी करण का कार्य करते हुए सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया है ठेकेदार के द्वारा बजरी के साथ हल्का डामर मिलाते हुए एक लेयर सड़क का निर्माण कर दिया गया था जिसे नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने उखड़वा दिया था। जिसके कारण स्थानीय रहवासियों के साथ ही आवागमन करने वालो को परेशानी का सामना करना पड़ता है। **होती है दुर्घटना-** डामरीकरण सड़क का कार्य अधूरा

छोड़ देने के कारण छोटी-छोटी गिट्टी सड़क पर बिखर गई है जिसके कारण दो पहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं जिसके कारण लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। सरकारी आंकड़ों में 15 जून से मानसून की शुरुआत हो जाती है और ऐसे में डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। 1 वर्ष से वार्ड वासियों को पक्की सड़क निर्माण कार्य करवाये जाने का इंतजार है लेकिन फिर से एक माह बाद मानसून शुरू हो जाएगा और बारिश में भी लोगों को जर्जर एवं कीचड़ भरे रास्ते से चलना पड़ेगा। 2 माह पहले नगर पालिका के द्वारा परिषद की बैठक में ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव पारित किया गया था और शासन स्तर पर भेजने की बात कही गई थी और दोबारा निविदा जारी करते हुए नए सिरे से सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने की बात कही गई थी लेकिन अभी तक नगर पालिका के द्वारा सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं करवाया गया है जिसके कारण स्थानीय रहवासियों में नगर पालिका प्रशासन के प्रति गुस्सा देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

एक वर्ष से फरार शातिर बदमाश को दबोचा

बड़वारा। एक साल से फरार चल रहे शातिर बदमाश को बड़वारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी जगदेव सिंह सोलंकी 81 वर्ष निवासी ग्राम बांसा थाना चंदिया जिला उमरिया, हाल निवासी ग्राम परसेल ने 14 मई को थाना बड़वारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि जमीनी विवाद को लेकर आरोपी अमोल सिंह, गुलाब सिंह, सूरज सिंह, टिंकू सिंह, चिंटू सिंह एवं पुष्पेन्द्र ने 13 मई 2025 को तेजभान सिंह एवं जयभान सिंह सोलंकी निवासी ग्राम परसेल के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाई थी। प्रकरण में थाना बड़वारा पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद प्रकरण में धारा 117(2) एवं 109(1) बीएनएस की वृद्धि की गई। मामले का मुख्य आरोपी गुलाब सिंह पिता अमोल सिंह निवासी ग्राम परसेल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आखिरकार 21 मई 2026 को बड़वारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि के.के. पटेल, सउनि महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक नितेश डोंगरे एवं प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी की भूमिका रही।

युवक पर चाकू से हमला, लोगों में दहशत

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी के पास दिनदहाड़े चाकूबाजी की घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार प्रशांत सोनी पिता विष्णू सोनी 40 वर्ष पर कुछ लोगों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमले में बुच्चड़, उसकी दो बहनें, भांजा तथा दो अन्य साथी शामिल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि किसी पुराने विवाद या आपसी कहासुनी के बाद आरोपी पक्ष ने अचानक हमला कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल प्रशांत सोनी को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है।

8 घुमंतू मवेशी भेजे गए अमीरगंज गौशाला

कटनी। शहर में घुमंतू एवं सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधा एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए नगर निगम प्रशासन की हांका टीम द्वारा अभियान चलाकर कार्यवाही का सिलसिला अनवरत जारी है। अभियान के तहत कार्यालय कलेक्ट्रेट, बरगवां सहित अन्य प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्रवाई करते हुए 8 घुमंतू मवेशियों को पकड़कर अमीरगंज गौशाला भेजा गया।

करोड़ों के नुकसान होने की आशंका

शारदा खुली खदान में कथित नेताओं की गुंडागर्दी अवैध वसूली से कोयला उत्खनन ठप्प

शहडोल। एसईसीएल के सोहागपुर एरिया अंतर्गत संचालित शारदा खुली खदान परियोजना इस समय स्थानीय कथित नेताओं, यूनियनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के चंगुल में फंसकर दम तोड़ती नजर आ रही है। ताजा मामले में, खदान में ओवरबर्डन हटाने और कोयला उत्खनन का जिम्मा संभाल रही प्रतिष्ठित कंपनी आर.के. अर्थ मूवर्स के काम को जबरन बंद करा दिया गया है। कथित भाजपा नेता कामाख्या नारायण राय ने अपने कई समर्थकों के साथ मिलकर खदान के बूम बैरियर के पास आकर न सिर्फ शासकीय कार्य में बाधा डाली, बल्कि काम पर जा रहे मजदूरों को भी डरा-धमकाकर रोक दिया। इस अराजकता का सबसे घातक असर तब देखने को मिला जब खनन के दौरान कंपनी की करीब 110 करोड़ रुपये की बेशकीमती मशीन का पुश बीम अंदर फंस गया। उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जा रहे विशेषज्ञ कामगारों को इन तथाकथित नेताओं ने अंदर जाने से रोक दिया। तकनीकी जानकारों का कहना है कि यदि मशीन को समय पर नहीं निकाला गया, तो करोड़ों की सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचेगा।

नियमानुसार मिला है स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार

कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में यह परियोजना अपने पहले फेज (चरण) में है। नियम और स्वीकृत पदों के अनुसार, अब तक 39 स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, आर.के. अर्थ मूवर्स ने क्षेत्र के 100 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका प्रदान की है। कंपनी प्रमुख का पक्षः यह सिंगल फेज का काम है और सामने मानसून (बरसात) का सीजन है। वर्तमान क्षमता के अनुसार जितने अधिकतम लोगों को नौकरी पर रखा जा सकता था, उन्हें पूरी पारदर्शिता के साथ रख लिया गया है। अगला फेज शुरू होने पर और जगह बनने पर निश्चित ही अधिक संख्या में कामगार लिए जाएंगे। इसके बावजूद, कामाख्या नारायण राय और उनके साथी गैरकानूनी तरीके से अधिक लोगों को रखने का अनावश्यक दबाव बना रहे हैं, जो पूरी तरह से अनुचित है।

झंडे और डंडे की आड़ में चल रहा है अवैध वसूली का खेल

सोहागपुर एरिया में बाहरी कंपनियों को डराना और स्थानीय बेरोजगारों की आड़ लेकर लेबर सप्लाई व अन्य बहानों से अवैध वसूली करना अब एक उद्योग बन चुका है। आर.के. अर्थ मूवर्स ही नहीं, बल्कि अमली खुली खदान में कार्यरत कटक कंपनी और रामपुर में कार्यरत जय अंबे कंपनी भी इसी सिंडिकेट का शिकार रही हैं। बीते दो-तीन वर्षों से यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। कभी लाल झंडा (वामपंथी), कभी कांग्रेस (इंटक), तो कभी भारतीय जनता पार्टी का झंडा थामे नेता खदानों में अपना उल्लू सीधा करने पहुंच जाते हैं। हद तो तब हो जाती है जब एक ही सत्ताधारी दल से कई गुट आमने-सामने आ जाते हैं। शारदा खुली खदान में इस समय भाजपा के वर्तमान मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्ष, नगर परिषद के नेता और जिले के बड़े नेताओं के अलग-अलग धड़े सिर्फ अपने आर्थिक स्वार्थ और अवैध रसूख के लिए अनैतिक दबाव बना रहे हैं।

कोल प्रबंधन की संलिप्तता और मौन सहमति

इस पूरे खेल में एसईसीएल (कॉल प्रबंधन) के स्थानीय अधिकारियों की भूमिका भी कटघरे में है। करोड़ों रुपये खर्च करके क्षेत्र में विकास और उत्खनन करने आई कंपनियों को सुरक्षा देने के बजाय अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। सूत्रों की मानें तो कॉल प्रबंधन के कुछ अधिकारी खुद कोयला चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं, जिसके कारण वे इन स्थानीय रसूखदार संगठनों के आगे घुटने टेक देते हैं। इसका सीधा खामियाजा उन ठेका कंपनियों को भुगतना पड़ रहा है जो करोड़ों की मशीनें दांव पर लगाकर यहां काम कर रही हैं।

देश के ऊर्जा संकट पर पड़ेगा असर

कंपनी के प्रमुख ने सोशल मीडिया पर एक ऑडियो साझा करते हुए इस पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय थाने से लेकर शहडोल जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक तक को लिखित शिकायत देकर सुरक्षा की गुहार लगाई गई है। प्रबंधन ने चेताया है कि कोयला देश की ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। यदि बरसात से पहले उत्खनन ठप्प रहा, तो इसका सीधा असर बिजली उत्पादन और देश के अन्य ऊर्जा स्रोतों पर पड़ेगा। कंपनी ने साफ कर दिया है कि भविष्य में खदान के अंदर यदि किसी भी मशीनरी को नुकसान होता है, आर्थिक हानि होती है या कोई दुर्घटना घटती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी कानून को हाथ में लेने वाले इन तथाकथित नेताओं और यूनियनों की होगी। प्रशासन को अब देखना होगा कि वह विकास करने वाली कंपनियों को संरक्षण देता है या इन अवैध वसूली करने वाले गिरोहों के आगे नतमस्तक रहता है।

सेवा, संवेदनशीलता और समर्पण की मिसाल बने डॉ. अभिषेक मिश्रा

गंभीर मरीजों को समय पर उपचार देकर बचाईं कई जिंदगियां, क्षेत्रवासियों ने कहा- "धरती के भगवान"

धनपुरी। आमतौर पर सरकारी अस्पतालों को लेकर लोगों के मन में कई तरह की धारणाएं बनी रहती हैं, लेकिन धनपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. अभिषेक मिश्रा ने अपने सेवा भाव, व्यवहार और कार्यशैली से इन धारणाओं को बदलने का काम किया है। मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और हर परिस्थिति में तत्पर रहने की उनकी कार्यशैली के कारण वे इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि चाहे सड़क दुर्घटना का मामला हो, गंभीर बीमारी से जूझता मरीज, नवजात शिशु की बिगड़ती हालत या फिर गर्भवती महिलाओं से जुड़ी जटिल परिस्थितियां—डॉ. मिश्रा हर चुनौतीपूर्ण स्थिति में पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ इलाज करते हैं। कई लोगों ने दावा किया कि उनकी तत्परता और सही समय पर दिए गए उपचार से अनेक मरीजों की जान बच सकी है। समाजसेवी अरविंद भारती ने बताया कि अस्पताल में आने वाले गरीब और असहाय मरीजों के प्रति डॉ. मिश्रा का व्यवहार बेहद मानवीय है। उन्होंने कहा कि कई बार आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी उन्होंने पूरी संवेदनशीलता के साथ उपचार उपलब्ध कराया और गंभीर परिस्थितियों में बेहतर मार्गदर्शन देकर राहत पहुंचाई।

वहीं कारोबारी सुशील प्रजापति ने बताया कि उनके परिवार पर आए संकट के समय डॉ. मिश्रा पूरी रात अस्पताल में डटे रहे और लगातार निगरानी करते हुए उपचार किया। उन्होंने कहा कि यदि समय पर इलाज नहीं मिलता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। कांग्रेस के बुढार ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने भी डॉ. मिश्रा की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ऐसे चिकित्सकों की आवश्यकता है जो केवल ड्यूटी नहीं बल्कि सेवा भावना से काम करें। उनके अनुसार कई गंभीर मरीजों को डॉ. मिश्रा ने त्वरित उपचार देकर मौत के मुंह से बाहर निकाला है।

गृहिणी इशरत अंसारी ने बताया कि उनके बच्चे की हालत अचानक बेहद खराब हो गई थी। घबराए परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉ. मिश्रा ने तुरंत उपचार शुरू किया और बच्चे की जान बच गई। उन्होंने कहा कि उस समय डॉक्टर ने परिवार को हिम्मत भी दी और पूरी जिम्मेदारी से इलाज किया। आशा कार्यकर्ता राफिया बानो के अनुसार गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं से जुड़े कई जटिल मामलों में डॉ. मिश्रा ने अपने अनुभव और मुस्तैदी से बड़े हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाई है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं को भी उन्होंने समय पर उपचार और आवश्यक सलाह देकर राहत पहुंचाई। अस्पताल आने वाले मरीजों का कहना है कि डॉ. मिश्रा केवल इलाज तक सीमित नहीं रहते, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों को मानसिक रूप से भी मजबूत करने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि लोगों के बीच उनके प्रति विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आज जब चिकित्सा सेवा को लेकर अक्सर शिकायतें सामने आती हैं, ऐसे समय में डॉ. अभिषेक मिश्रा जैसे डॉक्टर समाज के लिए प्रेरणा हैं। अपनी सेवा, समर्पण और मानवीय सोच के कारण वे लोगों के बीच "धरती के भगवान" के रूप में पहचान बना रहे हैं।

एक्सीलेटर नाम मात्र का है लेकिन हमेशा रहता है बंद

अमृत रेलवे स्टेशन में एक्सीलेटर नाम मात्र का है लेकिन हमेशा बन्द रहता है दिव्यांग व सिनियर सिटिजन यात्री को परेशान हो रहे हैं जबकि स्टेशन बैठे अधिकारी से बात करों तो कहते एक्सीलेटर में चढ़ने से पहले मुझे सूचित करें जब ट्रेन आ रही तो यात्री क्या करें साथ ही रेलवे टिकट खिड़की से टिकट देने वाले कोई नहीं थे और यात्रियों की भीड़ बहुत थी ए.टी.एम. मशीन से यात्री टिकट ले रहे जो टिकट पाया ठीक वाकी बिना टिकट यात्रा करने को मजबूर हैं लोंग नुकसान रेलवे मंत्रालय का होता रहें।

ब्योहारी। ब्योहारी अमतृ रेलवे स्टेशन में एक्सीलेटर व लिफ्ट दोनों बन्द रहने से दिव्यांग व सिनियर सिटिजन यात्री को हो रही है परेशानी जब दिव्यांग व्यक्ति जानकारी चाही तो स्टेशन में बैठे अधिकारी का जवाब होता है जब किसी व्यक्ति को एक्सीलेटर में चढ़ने पहले स्टेशन अधिकारी को सूचित करना पड़ता है जब जा एक्सीलेटर चालू किया जाता है जबकि रेल मंत्रालय द्वारा यात्री सुविधा के लिए लगाया गया है साथ लिफ्ट भी बन्द रहता है कहा जाता है कि प्लेटफार्म नंबर एक एक्सीलेटर है और प्लेटफार्म दो नंबर लिफ्ट है लेकिन ब्योहारी अमृत रेलवे स्टेशन रेलवे नाम का है लेकिन कोई सुविधा नहीं दिव्यांग व सिनियर सिटिजन साथ आम यात्री को चित्र साफ दिखाई दे रहा है कि दिव्यांग धीरे धीरे अपनी यात्रा के एक्सीलेटर सीढ़ी से लाठी के सहारे चढ़ रहा है साथ ही दूसरे साईड के एक्सीलेटर सीढ़ी के द्वारा महिला अपना बैग लेकर चढ़ रही हैं साथ रेलवे स्टेशन पर टिकट खिड़की पर टिकट नहीं मिल रही है और यात्रियों की भीड़ बहुत ज्यादा है लेकिन ए.टी.एम. मशीन से टिकट दिया जाता है जो महिलाओं या पुरुष यात्री टिकट के लिए लाइन में खड़े हो ATM मशीन पर टिकट ले जो टिकट पाया ठीक नहीं तो बिना टिकट यात्रा करने को मजबूर हैं लोग जिस पर केन्द्रीय रेल मंत्रालय का काफी नुकसान होता है लेकिन जो रेलवे कर्मचारी टिकट खिड़की तैनात हैं उसकी लापरवाही से चलाते रेलवे का नुक़सान होता है उन कर्मचारियों को वेतन पूरे महीने का मिलता है जो भी क्षति होगा केन्द्रीय रेल मंत्रालय का रेल मंत्रालय व जबलपुर जोन प्रबंधन से अपेक्षा है कि ब्योहारी अमृत रेलवे स्टेशन में एक्सीलेटर व लिफ्ट दोनों हमेशा चालू रखा जाए और जांच होनी चाहिए कि कि कारणों रेल मंत्रालय से मिलने यात्री सुविधा उपकरण क्यों बन्द रहता है और दूसरी बात यह कि रेलवे स्टेशन अमृत रेलवे स्टेशन में टिकट खिड़की में कर्मचारी तैनात किया जाए क्योंकि ब्योहारी अमृत रेलवे स्टेशन इन्टरसिटी में यात्रा करने वाले लोगों की भीड़ कम से सौ से डेढ़ सौ लगभग भीड़ देखी गई है लेकिन टिकट खिड़की पर कोई टिकट देने वाले कर्मचारियों की तैनाती नहीं है सुबह का समय था शाशन प्रशासन से मांग है कि टिकट खिड़की से टिकट दिया जाए जिससे यात्रियों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया प्रोत्साहित, पुरस्कार की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस बल की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, अनुशासित एवं प्रभावशाली बनाने, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फिटनेस तथा मनोबल को बढ़ाने एवं आगामी कानून व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को रक्षित केन्द्र कटनी में जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में किया गया। जनरल परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया की उपस्थिति में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, शहरी थाना प्रभारी, सूबेदार सहित विभिन्न थानों, यातायात शाखा एवं रक्षित केन्द्र के लगभग 105 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेशभूषा, अनुशासन, कदमताल एवं स्कॉट ड्रिल का अवलोकन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित थाना प्रभारियों द्वारा स्कॉट ड्रिल एवं कदमताल का अभ्यास किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया, वहीं कमियों वाले कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया।

23 सेकंड में पिस्टल खोल किया असेंबल

परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 30 सेकंड के भीतर शस्त्र खोलने एवं पुनः असेंबल करने का टॉस्क दिया गया तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने वाले कर्मचारियों हेतु 5000 रूपये नगद पुरस्कार की घोषणा की गई। टॉस्क के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने स्वयं 9 एमएम पिस्टल को मात्र 23 सेकंड में खोलकर विधिवत असेंबल कर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया, जिससे सभी में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण बना रहा।

मेरा आधार, मेरी पहचान : 25-26 मई को डाक घरों में लगेगा आधार सेवाओं का महाअभियान

बंगवार। डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत बनाने एवं आम नागरिकों को आधार संबंधी सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय डाक द्वारा मध्य प्रदेश डाक परिमण्डल में 25 एवं 26 मई 2026 को "आधार सेवाओं (नागरिक केंद्रित सेवाओं) का महाअभियान" आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अभियान के माध्यम से नागरिक अपने नजदीकी डाकघर एवं आधार सेवा केंद्रों में पहुंचकर विभिन्न आधार सेवाओं का लाभ ले सकेंगे।

अभियान के अंतर्गत नया आधार नामांकन, आधार में नाम, पता एवं अन्य जानकारी अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट, आधार प्रिंट एवं डाउनलोड जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा बैंक खाते, मोबाइल नंबर एवं अन्य सेवाओं से आधार सीडिंग की सुविधा भी नागरिकों को प्रदान की जाएगी। India Post द्वारा संचालित इस अभियान की थीम "जन सेवा हमारा संकल्प, आपका विश्वास हमारी शक्ति" रखी गई है। डाक विभाग का उद्देश्य है कि नागरिकों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं सुविधाजनक सेवाएं उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध कराई जाएं, जिससे समय की बचत के साथ लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल सके। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार अब डाकघर केवल पत्र व्यवहार तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि जनसेवा के बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित डाकघरों के माध्यम से डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, मध्यप्रदेश परिमण्डल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस महाअभियान का लाभ उठाएं और आधार से संबंधित आवश्यक कार्य समय रहते पूर्ण कराएं। विभाग का लक्ष्य "संतुष्ट नागरिक" की अवधारणा को साकार करना एवं हर नागरिक तक डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है।

खबर संक्षेप

एक ही थाने में वर्षों से जमे पुलिस कर्मियों पर डीजीपी सख्त

अनूपपुर। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में लंबे समय से एक ही थाने एवं शाखाओं में पदस्थ कर्मचारियों को लेकर अब पुलिस मुख्यालय सख्त नजर आ रहा है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशों के बाद पूरे प्रदेश में ऐसे पुलिस कर्मचारियों की सूची तैयार किए जाने की चर्चा तेज हो गई है, जो वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। डीजीपी द्वारा दिए गए निर्देशों का मुख्य उद्देश्य पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही को मजबूत करना बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि लंबे समय तक एक ही थाने में पदस्थ रहने से कार्यप्रणाली प्रभावित होती है तथा आमजन में भी निष्पक्ष कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े होने लगते हैं। ऐसे में पुलिस मुख्यालय का यह कदम व्यवस्था सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि अनूपपुर जिले में यह आदेश कितना प्रभावी साबित होगा, इसको लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जिले में पूर्व में भी कई बार तबादलों और प्रशासनिक फेरबदल को लेकर आदेश जारी हुए, लेकिन उनका पूर्ण रूप से पालन नहीं हो सका। ऐसे में लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार वास्तव में वर्षों से जमे कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी या फिर यह आदेश भी केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। जनता अब यह देखने के इंतजार में है कि जिले में पुलिस विभाग इस निर्देश को कितनी गंभीरता से लागू करता है। यदि निष्पक्ष और व्यापक स्तर पर कार्रवाई होती है तो इससे पुलिस व्यवस्था में सुधार और आमजन का भरोसा बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। फिलहाल सबकी नजरें प्रशासनिक कदमों पर टिकी हुई हैं और समय ही बताएगा कि यह पहल बदलाव लाती है या महज औपचारिकता बनकर रह जाती है।

16 हजार रिटायर्ड कोल कर्मियों को अब प्रतिमाह न्यूनतम 1,000 मिलेगी पेंशन

राजनगर। केंद्र सरकार ने कोयला खान पेंशन (संशोधन) योजना 2026 को अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत पुरानी कोयला खान परिवार पेंशन योजना 1971 के तहत आने वाले हजारों पेंशन भोगियों को बड़ी राहत दी गयी है। संशोधन के तहत न्यूनतम पेंशन राशि बढ़ाकर 1,000 प्रतिमाह कर दी गयी है। यह व्यवस्था आठ मार्च 2024 से प्रभावी मानी जायेगी। जानकारी के अनुसार, पुरानी परिवार पेंशन योजना के कई पेंशनभोगी पहले हुए न्यूनतम पेंशन संशोधन के लाभ से वंचित रह गये थे। कई लोग 500 या 100 रुपये से भी कम पेंशन प्राप्त कर रहे थे। नयी अधिसूचना के जरिए इस चूक को सुधारा गया है। इससे कोयला क्षेत्र से जुड़े परिवारों की सामाजिक सुरक्षा और मजबूत होगी तथा पुराने पेंशनभोगियों के अधिकारों और कल्याण को मान्यता मिलेगी। इस निर्णय से लगभग 16 हजार पेंशनभोगियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्हें जून माह से एरियर के साथ राशि का भुगतान किया जायेगा। इस फैसले से कोल इंडिया के सभी अनुषंगी कंपनियों के रिटायरमेंट कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी (सूचना का अधिकार विभाग) ने की कार्यकारिणी की घोषणा

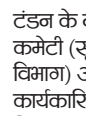

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी (सूचना का अधिकार विभाग) के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत टंडन के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी (सूचना का अधिकार विभाग) अनूपपुर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी द्वारा जारी इस कार्यकारिणी का गठन जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल मार्को के मार्गदर्शन में किया गया। जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में ऐसे सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है जो कांग्रेस की विचारधारा एवं जनहित के मुद्दों को मजबूती से आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा सूचना के अधिकार के माध्यम से जनता की समस्याओं को उठाने की दिशा में यह टीम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। कार्यकारिणी की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया।

बिजुरी कांड

नाबालिग युवती की हत्या के एकमात्र चश्मदीद की संदिग्ध मौत से मचा हडकंप

बरगद के साए में दफन सच, सवालों से कांपता सिस्टम

इकलौते गवाह की हत्या या आत्महत्या कटघरे में पुलिस?

एक नाबालिग को औरत बतला कर उसके साथ दुराचार और हत्या की घटना को संदिग्ध बनाने वाले बिजुरी नगर निरीक्षक की संदिग्ध कार्यप्रणाली ने अनूपपुर जिले की पुलिस पर कालिख पोतने का काम किया है। पहले दिन से ही नाबालिग की नृशंस हत्या और सामूहिक बलात्कार के संगीन आरोपों के बीच जिस तरीके से बेवजह मामले को संदिग्ध बनाने का कार्य बिजुरी पुलिस ने किया,

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अब जिले की जनता खुल कर मांग कर रही है कि नगर निरीक्षक को निलंबित कर उच्चस्तरीय टीम से घटना की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। यह सम्पूर्ण घटना तब और सनसनी हो गया जब शनिवार की अल सुबह हत्याकांड के एकमात्र चश्मदीद गवाह एवं मुख्य शिकायत कर्ता की लाश रेलवे ट्रैक पर मिली। इससे लोगों का गुस्सा भडक उठा और लोग जमकर बिजुरी पुलिस की लानत-मलानत कर रहे हैं।

जिले का बिजुरी कांड अब केवल एक आपराधिक घटना नहीं रहा, बल्कि पुलिसिया कहानी, राजनीतिक दबाव और रहस्यमयी मौतों के बीच उलझा ऐसा ज्वालामुखी बन चुका है, जिसकी आग पूरे नगर को झुलसा रही है। रेलवे ट्रैक किनारे बरगद के पेड़ के नीचे शुरू हुई यह कहानी अब हर चौपाल, हर चौराहे और हर घर में एक ही सवाल बनकर गूंज रही है कि आखिर सच कौन छिपा रहा है? युवती की मौत, गवाह की आत्महत्या और पुलिस की जल्दबाजी ये सब कुछ किसी बड़े राज की तरफ इशारा कर रहा है जो जन चर्चा का विषय बन हुआ है। जिले के पत्रकारों ने यह लिखने मे कतई संकोच नहीं किया कि बिजुरी पुलिस का आचरण शुरु से संदिग्ध है। अनाचार, अतिचार, क्रूरता चाहे जिस भी कारण (क्योंकि परिस्थितियाँ अत्यंत संदिग्ध हैं और इस पर पुलिस की प्रारंभिक जांच, बयान, प्रेस नोट और उसका आचरण उससे भी अधिक संदिग्ध है) से बिजुरी की एक सत्रह वर्षीया की क्रूरता से हत्या की गयी। इस मामले मे तमाम विसंगतियां बिजुरी पुलिस की पैदा की हुई हैं। मृतका के परिजनों को दरकिनार कर पुलिस कहानी के अनुसार जिस नाबालिग को शिकायतकर्ता बनाया गया, उसकी

लाश आज रेलवे ट्रैक पर मिलती है। शायद उसका आज महत्वपूर्ण बयान दर्ज होना था। यह नहीं पता कि यह संयोगजनित हादसा है, आत्महत्या है या हत्या है। इसमे से कुछ भी संभव है। लेकिन बयान दर्ज होने के ठीक पहले चश्मदीद की संदिग्ध मौत से लोग स्तब्ध हैं। सवाल है कि इतने महत्वपूर्ण साक्ष्य/गवाह/शिकायतकर्ता/चश्मदीद नाबालिग को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा से बाहर कैसे जाने दिया? जो एकमात्र व्यक्ति घटना का चश्मदीद था, जिसे यह पता था कि वारदात मे दो-चार-छः-आठ कितने रईसजादे/धनकुबेर/बाहुबली या आम कबाडी या कितने लोग शामिल थे या नही थे, वही लोगो की पहचान कर सकता था। उसके बयान से अपराधियों और उन्हे पनाह देने वालों के चेहरों से नकाब उतर सकता था या पुलिस की कार्यवाही पुष्ट/अपुष्ट साबित होती। उसकी मौत ने मामले को अपराधियों को बचाने का पूरा मौका दे दिया। उसकी मौत के साथ शिकायत, गवाह, प्रमुख साक्ष्य सब कुछ नष्ट हो गया या कर दिया गया। बडा सवाल है कि इस चश्मदीद की मौत से किन्हे/किसे सीधा फायदा हो रहा है? उसकी मौत के पीछे कौन लोग हैं? बिजुरी पुलिस की इस मामले मे क्या भूमिका है? क्या जानबूझकर गवाह को आत्महत्या के लिये डरा धमका कर प्रेरित किया गया या मोटी रकम लेकर योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर दी गयी। सवाल ये बिल्कुल नहीं है कि नृशंस घटना को लेकर किसने क्या लिखा या क्या कहा या किसने जांच की मांग को लेकर पत्र मे क्या संदेह जताया। बडा सवाल यह है कि बिजुरी पुलिस स्वयं के आचरण से स्वय को इतना संदिग्ध क्यो और किसके लिये बना रही है?

चश्मदीद की मृत्यु हादसा, आत्महत्या या हत्या

अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र से शनिवार सुबह 17 वर्षीय किशोरी की हत्या, लूट और छेड़छाड़ के मामले का चश्मदीद गवाह और मुख्य शिकायतकर्ता 17 वर्षीय किशोर, निवासी माइन्स कॉलोनी की लाश बोरीडाँड़ रेलवे लाइन पर मिली। महज 48. घंटे मे बिजुरी नगर मे दो नाबालिगों की असमय संदिग्ध मौत ने लोगों को हिला कर रख दिया। रेलवे पुलिस के अनुसार कि सुबह 4 बजे के आसपास मालगाड़ी से टकराने से घायल युवक को मनेन्द्र गढ अस्पताल लाया गया जहां दम तोड़ दिया। उसके सिर पर सामने चोट है। पोस्टमार्टम के समय शहडोल आईजी एन चेत्रा के साथ

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक एमसीबी व एसडीओपी कोतमा उपस्थिति थे।

पुलिस की कहानी या सच पर पर्दा?

घटना के कुछ घंटों के भीतर पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी कर खुद को सफल साबित करने की जल्दबाजी दिखाई, लेकिन यही जल्दबाजी अब सबसे बड़ा शक बन गई है। नगर में लोग पूछ रहे हैं कि जब जांच पूरी भी नहीं हुई थी, तब केस को सुलझा हुआ कैसे घोषित कर दिया गया था? क्या पुलिस पर ऊपर से दबाव था? या फिर किसी बड़े चेहरे को बचाने की कवायद रही है? हर चौपाल में यही चर्चा है कि सच सामने आने से पहले ही फाइल बंद करने की पटकथा क्यों लिख दी गई। सवाल यह भी है कि क्या पुलिस जांच कर रही थी या केवल कहानी गढ़ रही थी?

इकलौते गवाह की मौत ने बढ़ाई साजिश की बू

जिस नाबालिग युवक को पूरा घटनाक्रम देखने वाला चश्मदीद बताया गया, वही अचानक ट्रेन के सामने कूदकर जान दे देता है। यह सिर्फ आत्महत्या नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम पर तमाचा बन गया है। आखिर उसकी सुरक्षा क्यों नहीं हुई? क्या उसे धमकियां मिल रही थीं? क्या पुलिस ने उसकी मानसिक स्थिति पर नजर रखी? या वह किसी ऐसे सच के बोझ तले दब चुका था, जिसे बोलने की इजाजत नहीं थी? बिजुरी की गलियों में अब यह फुसफुसाहट तेज हो चुकी है कि गवाह की मौत महज संयोग नहीं, बल्कि किसी बड़े रहस्य की अंतिम कड़ी हो सकती है।

बरगद का पेड़ बना खामोश गवाह

रेलवे ट्रैक किनारे खड़ा वह पुराना बरगद अब केवल पेड़ नहीं रहा, बल्कि पूरे कांड का मौन गवाह बन चुका है। स्थानीय लोग कहते हैं कि उस रात वहां जो हुआ, उसकी सच्चाई अब भी अंधेरे में कैद है। आखिर युवती और युवक वहां किससे मिलने गए थे? आखिरी कॉल किसकी थी? मोबाइल लोकेशन क्या कहती है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच उतनी गंभीरता से हुई, जितनी होनी चाहिए थी? नगर में यह धारणा गहराती जा रही है कि कई ऐसे तथ्य हैं जिन्हें जानबूझकर सतह पर आने ही नहीं दिया गया है।

उम्र का विवाद और कानून पर उठते सवाल

पूरे मामले में युवती की उम्र को लेकर उठे विवाद ने जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने युवती को बालिग बताया, जबकि परिजन और विपक्षी नेता उसे नाबालिग बता रहे हैं। अगर वह नाबालिग थी, तो मामला और भी गंभीर कानूनी धाराओं में जाता है जिसको पुलिस अधीक्षक ने प्रस्तुत दस्तावेज में के अनुसार बालिक बताया फिर अब सही जानकारी आने की बात कह पास्को कि धारा बढ़ाई जाएगी ऐसा कहा गया। ऐसे में लोग पूछ रहे हैं कि उम्र तय करने में इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई? क्या दस्तावेजों की गहन जांच हुई थी? या फिर केस की दिशा बदलने से रोकने के लिए तथ्यों को सुविधानुसार पेश किया गया है? यह विवाद अब केवल उम्र का नहीं, बल्कि पूरी जांच की विश्वसनीयता का बन चुका है।

बिजुरी पूछ रहा कि आखिर किसे बचाया जा रहा है?

अब पूरा बिजुरी एक ही सवाल पूछ रहा है कि आखिर इस मामले में किसे बचाने की कोशिश हो रही है? क्या यह मामला सिर्फ दो आरोपियों तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा चेहरा छिपा है? कांग्रेस के आरोप, स्थानीय लोगों का आक्रोश और लगातार उठते सवाल पुलिस प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। नगर में यह भावना तेजी से फैल रही है कि सच को दबाने की कोशिश जितनी होगी, विस्फोट उतना बड़ा होगा। क्योंकि अपराध से ज्यादा खतरनाक वह सन्नाटा होता है, जिसमें सच दम तोड़ने लगे। और बिजुरी में फिलहाल वही सन्नाटा पसरा हुआ है। कुछ लोग मंत्री के गृह ग्राम में हुआ यह बिजुरी कांड को छवि धूमिल न होने देने से भी जोड़ कर देख रहे है जिसमें पुलिस अपनी भी साख बचाने में लगी है ऐसी कई बातों से चर्चाओं का बाजार गर्म है।

डीजीपी-आईजी से कार्यवाही की मांग

अब लोग मध्यप्रदेश के डीजीपी, शहडोल आईजी और अनूपपुर पुलिस अधीक्षक से बिजुरी पुलिस के लापरवाह, संदिग्ध अधिकारी/कर्मचारियों को तत्काल निलंबित करके सम्पूर्ण मामले की निष्पक्ष, सूक्ष्म, विधिवत जांच करवाने और दो-दो नाबलिगों की मौत के कारणों की जांच करके आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग जिले की जनता कर रही है।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना डाइट में अधपका नाश्ता, प्रतिभागियों में नाराजगी

कम मात्रा और खराब गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल, कलेक्टर बोले मामले की जांच कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अनूपपुर में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों ने नाश्ते की गुणवत्ता और मात्रा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रशिक्षणार्थियों का कहना है कि उन्हें सुबह जो नाश्ता दिया जा रहा है वह न केवल अधपका और घटिया स्तर का है, बल्कि उसकी मात्रा भी बेहद कम है। आरोप है कि अतिरिक्त नाश्ता मांगने पर दोबारा देने से भी साफ इनकार कर दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों के अनुसार प्रशिक्षण के दौरान पूरे दिन की गतिविधियों में भाग लेने के लिए पर्याप्त एवं पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है, लेकिन यहां परोस रहे नाश्ते की स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है। इससे प्रतिभागियों में नाराजगी का माहौल है और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े होने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार भोजन व्यवस्था में लापरवाही के साथ-साथ गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर संदेह जताया जा रहा है। चर्चा यह भी है कि भोजन व्यवस्था में कहीं न कहीं जिम्मेदारों की

अनदेखी अथवा भ्रष्टाचार जैसी स्थिति सामने आ रही है, जिसके कारण प्रशिक्षणार्थियों को निर्धारित स्तर का भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। यदि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो यह मामला और गंभीर रूप ले सकता है। मामले को लेकर जब अनूपपुर कलेक्टर से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि शिकायत उनके संज्ञान में आई है और मामले की जांच कराई जाएगी। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि यदि जांच में लापरवाही अथवा अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। अब देखना होगा कि जांच के बाद व्यवस्थाओं में सुधार होता है या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह केवल आश्वासनों तक सीमित रह जाता है। फिलहाल प्रशिक्षणार्थियों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

अंबिकापुर के मुशायरे में अनूपपुर के दीपक अग्रवाल ने बिखेरा शायरी का जादू

154वें उर्स में देशभर के नामचीन शायरों के बीच अनूपपुर के कवि को मिली सराहना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित तकियाग्राम में आयोजित 154वें विशाल उर्स के अवसर पर 20 मई को ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में देशभर के मशहूर शायरों और कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से देर रात तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अनूपपुर के उर्दू शायरी के युवा कवि दीपक अग्रवाल ने भी अपनी प्रस्तुति देकर जिले का नाम रोशन किया। कार्यक्रम का आयोजन हाजी अब्दुल रशीद सिद्दीकी की सरपरस्ती में हुआ। हिंदुस्तान के प्रसिद्ध शायर वसीम बरेलवी ने कार्यक्रम की सदारत की, जबकि विश्व प्रसिद्ध शायर अतुल अजनबी के संयोजन में उर्स कमेटी के अध्यक्ष इरफान सिद्दीकी एवं पूरी कमेटी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुशायरे में देशभर से पहुंचे नामचीन शायरों ने अपने कलाम पेश किए। वसीम बरेलवी ने अपने अंदाज में कहा कि "तुम्हारी राह में मिट्टी के घर नहीं आते, इसीलिए ही तुम्हें हम नजर नहीं आते" वहीं मंजर भोपाली ने अपनी मशहूर प्रस्तुति मे "तुम भी पियो हम भी पिए रब की मेहरबानी, आर के कटोरे में गंगा का पानी"से खूब तालियां बटोरीं। अतुल अजनबी ने अपने शेर मे "कश्तियां डूब रही है यहां एक-एक करके, और हम खुश हैं कि पतवार संभाले हुए हैं" से समाज की विडंबनाओं को स्वर दिया। इसी क्रम में अनूपपुर के कवि दीपक अग्रवाल ने जब अपना कलाम पढ़ा "मैं अपने रंग खोता जा रहा हूं, मेरी तस्वीर पानी में पड़ी है" तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। उनकी प्रस्तुति को श्रोताओं एवं मंचासीन शायरों ने खूब सराहा। दीपक अग्रवाल की भावपूर्ण शायरी ने यह साबित कर दिया कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंचों पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। मुशायरे में नईम अख्तर बुरहानपुरी, नदीम शाद, राज कौशिक, फ्रैज खलीलाबादी, मेहताब आलम, मारूफ रायबरेलवी, सुंदर मालेगांवी, सुफियान क़ाजी, खुशबू श्रीवास्तव एवं राधिका मित्तल सहित कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने भाग लिया। रातभर चले इस मुशायरे में सुबह 4:30 बजे तक श्रोता डटे रहे और देश के नामी शायरों के कलाम सुनते रहे। आयोजन ने गंगा-जमुनी तहजीब, साहित्य और सांस्कृतिक सौहार्द की शानदार मिसाल पेश की।

भक्ति और श्रद्धा के दिव्य संगम से आलोकित अमरकंटक

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुई सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन तपोभूमि, धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना के केंद्र अमरकंटक इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के अद्भुत वातावरण से सराबोर है। वार्ड क्रमांक 2 बराती में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ अत्यंत भव्यता एवं धार्मिक आस्था के साथ संपन्न हुआ। कथा के प्रारंभ अवसर पर निकाली गई विशाल कलश शोभायात्रा ने संपूर्ण नगर को भक्तिरस से अभिभूत कर दिया। यह धार्मिक आयोजन अधिमास के ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी से प्रारंभ होकर शुक्ल पक्ष चतुर्दशी एवं पूर्णिमा तक सात दिवस तक संचालित होगा। कथा का अमृतमय श्रवण पंडित लवकुश महाराज के श्रीमुख से कराया जा रहा है, जिनकी संगीतमय शैली और भावपूर्ण प्रस्तुति श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति के निकट ला रही है। कथा शुभारंभ से पूर्व प्रातः 9 बजे कथा स्थल से एक विशाल एवं आकर्षक कलश शोभायात्रा निकाली गई। नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर भजन-कीर्तन करते हुए यात्रा में सहभागिता निभाई, वहीं पुरुष श्रद्धालुओं ने भी उत्साह और आस्था के साथ आयोजन को सफल बनाया। शोभायात्रा में पारंपरिक गुदुम वाद्य यंत्र, नर्तक दल, बैंड एवं ढपली की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धा और संस्कृति का यह दृश्य नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा आगे बढ़ते हुए मां नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर पहुंची, जहां आचार्य पुरोहित पंडित उमेश द्विवेदी 'बंटी महाराज' एवं अन्य विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य विधिवत पूजन-अर्चन एवं पुराण पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत कथा स्थल पर प्रथम दिवस की श्रीमद् भागवत

कथा आरंभ हुई। यह आयोजन अमरकंटक के सेवा भावी गब्बर सिंह द्वारा अपने पूज्य पिता कंचन सिंह एवं माता श्रीमती बदामी देवी सिंह के सान्निध्य में परिवारजनों एवं स्वजनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती शीला सिंह, केशव सिंह, महेश सिंह, दिनेश सिंह एवं अवधेश सिंह बंटी सहित परिवार के सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि कथा श्रवण हेतु मुरैना से लगभग ढाई सौ श्रद्धालु एवं परिजन अमरकंटक पहुंचे हैं, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई है। भव्य कलश शोभायात्रा एवं कथा आयोजन में नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर अंबिका तिवारी, राधेश्याम उपाध्याय, रामगोपाल द्विवेदी, ओमप्रकाश गौतम, श्यामलाल सेन, संजय जायसवाल, शिव गुप्ता, मुनीष पांडेय, भानु प्रसाद सेन, मुन्ना मिश्रा, वंदना मिश्रा, उर्मिला मिश्रा तथा धनंजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शुभेच्छुजन उपस्थित रहे। कथा व्यासपीठ से प्रथम दिवस पर पंडित लवकुश महाराज ने गुरु महिमा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को ज्ञान, संस्कार और ईश्वर भक्ति की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने देवर्षि नारद की भक्ति परंपरा का उल्लेख करते हुए धर्म, सत्संग एवं सदाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। संपूर्ण अमरकंटक नगरी इन दिनों श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के दिव्य वातावरण में आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कर रही है तथा श्रद्धालु कथा श्रवण के माध्यम से आत्मिक शांति एवं धर्म चेतना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

रामनगर में शराब माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा

लाखों का कच्चा जहर बरामद

हरिभूमि न्यूज राजनगर। जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए महुआ शराब बनाने के काले कारोबार पर करारा प्रहार किया है। डूमरकछार इलाके में दबिश देकर पुलिस ने भारी मात्रा में लाहन, गुड़ और सूखा महुआ बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 84 हजार 600 रुपये बताई जा रही है। इस कार्यवाही ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जंगल और बस्तियों की आड़ में नशे का धंधा फैलाने वाले माफिया अब पुलिस के निशाने पर हैं।

डूमरकछार में चल रही थी कच्चे जहर की फैक्ट्री

रामनगर थाना क्षेत्र के डूमरकछार वार्ड क्रमांक 12 में अवैध महुआ शराब निर्माण का पूरा जखीरा मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जब बंद कमरे का ताला खुलवाया, तो अंदर का नजारा देखकर हर कोई दंग रह गया है। जगह-जगह डिब्बों में सड़ता महुआ लाहन, गुड़ के कार्टून और सूखे महुआ की बोरियां रखी मिलीं है। साफ था कि यहां लंबे समय से अवैध शराब बनाने की तैयारी चल रही थी और गांव की फिजाओं में धीरे-धीरे नशे का जहर घोला जा रहा था।

432 किलो लाहन सहित 84 हजार से ज्यादा का माल जब्त

पुलिस कार्यवाही में कुल 432 किलोग्राम महुआ लाहन, 810 किलोग्राम गुड़ और 450 किलोग्राम सूखा महुआ बरामद किया गया। जब्त सामग्री की कुल कीमत 84,600 आंकी गई है। पुलिस ने मौके पर ही पंचनामा कार्रवाई करते हुए पूरे माल को जब्त कर लिया और महुआ लाहन का नियमानुसार नष्टीकरण कराया। इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री मिलने से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह केवल छोटे स्तर का धंधा नहीं, बल्कि संगठित तरीके से चल रहा अवैध कारोबार था।

पुलिस की सख्ती से शराब माफियाओं में मचा हड़कंप

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम और एसडीओपी आरती शाक्य के निर्देशन में जिलेभर में नशे के खिलाफ अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। रामनगर पुलिस की इस कार्यवाही के बाद अवैध शराब कारोबारियों में दहशत का माहौल है। लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में महुआ शराब का कारोबार युवाओं और मजदूर वर्ग को बर्बादी की ओर धकेल रहा था। ऐसे में पुलिस की यह कार्यवाही केवल जप्ती नहीं, बल्कि नशे के नेटवर्क को तोड़ने की बड़ी कोशिश मानी जा रही है।

आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा था कारोबार?

इतनी भारी मात्रा में शराब निर्माण सामग्री मिलने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर यह कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा था? क्या स्थानीय स्तर पर किसी की मिलीभगत थी? आखिर इतने बड़े पैमाने पर सामग्री जमा होने के बावजूद जिम्मेदारों को भनक क्यों नहीं लगी? पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है, लेकिन अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि कार्यवाही केवल माल जप्ती तक सीमित रहेगी या फिर इस अवैध नेटवर्क के असली सरगनाओं तक भी पहुंचेगी। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में आखिरकार भारी मात्रा में शराब की बिक्री और संचालन हो रहा है देखना होगा कि ये कार्यवाही अनूपपुर पुलिस की खाना पूर्ति रही है या पूरे जिले के थाना क्षेत्रों में संचालित अवैध शराब की बिक्री में रोक लग सकी है।